विश्वविद्यालय स्तर की मूल पुस्तक लिखने वाले भारतीय लेखकों को राष्ट्रीय पुरस्कार

8796. **श्री राजेश कुमार सिंह :**
श्री त्रिलोक चन्द :

क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तर की मूल मानक (स्टेंण्डर्ड) पुस्तकों को लिखने के लिए भारतीय लेखकों को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार देने के लिए 1973 में घोषित की गई योजना की रूपरेखा क्या है ;

(ख) उपरोक्त योजना के कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा गठित किया गया तंत्र क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि यह योजना सप्त वर्षों की अवधि में भी कार्यान्वित नहीं की जा सकी थी और वर्ष 1973 के लिए लेखकों को पुरस्कार अब तक नहीं दिए गए हैं ;

(घ) क्या सरकार ने इस योजना को समाप्त करने के लिए कोई निर्णय किया है अथवा सरकार का विचार इसे जारी रखने और इसे प्रतिवर्ष कार्यान्वित करने का है ; और

(ङ) यदि सरकार का विचार इस योजना को समाप्त करने का है तो उसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती शीला कौल) : (क) इस योजना का उद्देश्य, भारतीय भाषाओं में श्रेष्ठ कृतियां तैयार करने के लिए भारतीय लेखकों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान करने तथा उन्हें आकर्षक पुरस्कार प्रदान करके विश्वविद्यालय स्तर की पुस्तकों के लेखन की दृष्टि से भारतीय लेखन को प्रोत्साहित करना है इस योजना के अन्तर्गत भारतीय संविधान के आठवें अनुच्छेद में निर्दिष्ट भारतीय भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तर की मूल मानक कृतियों के रचनाकारों के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं । विश्वविद्यालयों के सभी विषयों में, हिन्दी में प्रकाशित विधि पुस्तकों को छोड़कर, 1-1-1968 तक तथा इसके बाद प्रकाशित पुस्तकें, इस योजना के अन्तर्गत पात्र हैं ।

(ख) योजना को कार्यान्वयन के लिए सन् 1972 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सौंप दिया गया था । सन 1977 में यह निर्णय लिया गया कि योजना मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जाएगी ।

(ग) जी, हां ।

(घ) तथा (ङ) यह योजना छठी पंचवर्षीय योजना में शामिल है ।

Proposal to Harness Service of Students Community/Social Agencies

8797. SHRI CHINTAMANI JENA: Will the Minister of CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether Government propose to harness the services of student community and voluntary/social agencies for weeding out corruption in the cities where Public Distribution System exists and particularly in the Tribal areas; and